SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.

****

Accredited By NAAC with 'A' Grade

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Syllabus For

B.A. Part - I

Hindi

(Syllabus to be implemented from June, 2018 onwards.)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

हिंदी अध्ययन मंडल

प्रथम वर्ष (कला, वाणिज्य एवं अन्य विद्या शाखा)

GENERIC ELECTIVE COURSE (GEC)

हिंदी (अनिवार्य)

(शैक्षिक वर्ष : 2018–19, 2019–20 तथा 2020–21)

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र – A : सृजनात्मक लेखन

उद्देश्य :

- हिंदी भाषा तथा व्याकरण का अध्ययन कराना।
- सृजनात्मक लेखन की विविध विधाओं (कविता, कहानी, यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, दृश्य–साहित्य, पत्रकारिता) से परिचित कराना।
- सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों का परिचय कराना।
- सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों के महत्त्व तथा उपयोगिता से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :–

- व्याख्यान विश्लेषण।
- चर्चा–संगोष्ठी।
- संपादकों, उपसंपादकों तथा विद्वानों से साक्षात्कार।
- आई.सी.टी. का प्रयोग।

अध्ययनार्थ विषय :

इकाई –I हिंदी भाषा तथा व्याकरण : सामान्य परिचय

व्याकरण : लिंग, वचन, कारक, विराम चिह्न, वाक्य के प्रकार, मानक वर्तनी

इकाई –II कविता, कहानी तथा यात्रावृत्त लेखनः स्वरूप, महत्त्व तथा उपयोगिता।

कविता, कहानी तथा यात्रावृत्त के क्षेत्र– सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक।

इकाई –III रिपोर्ताज और साक्षात्कार लेखनः स्वरूप, महत्त्व तथा उपयोगिता।

रिपोर्ताज के क्षेत्र– वाणिज्य, विज्ञान, तकनीकी।

रिपोर्ताज के क्षेत्र– साहित्य तथा सामाजिक।

इकाई –IV दृश्य साहित्य लेखन तथा पत्रकारिता : स्वरूप, महत्त्व तथा उपयोगिता।

दृश्य साहित्य लेखन के क्षेत्र– छायाचित्र, कार्टून (प्रश्नपत्र में संबंधित मद्दों पर चित्र दिया जाएगा)।

पत्रकारिता के प्रकार : खेल पत्रकारिता, सिनेमा पत्रकारिता, ग्रामीण पत्रकारिता।

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन – अंक

प्रश्न 1 –	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2 –	समग्र पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ (तीन में से दो)	10
प्रश्न 3 –	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (पाँच में से तीन)	15
प्रश्न 4 –	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्नः अ तथा ब – दोनों अनिवार्य (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15

संदर्भ ग्रंथ :

- हिंदी भाषा – महावीर प्रसाद द्विवेदी
- हिंदी भाषा – इतिहास और स्वरूप– राजमाठी शर्मा
- मानक हिंदी – ब्रजमोहन
- संक्षिप्त हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरू
- व्यावहारिक हिंदी व्याकरण– डॉ.हरदेव बाहरी
- आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास– बच्चनसिंह
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – डॉ.हरिमोहन
- साहित्यिक विधाएँ : सैद्धांतिक पक्ष – डॉ.मधु धवन
- सुगम हिंदी व्याकरण – धर्मपाल शास्त्री
- हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप एवं संदर्भ– डॉ.विनोद गोदरे
- व्यावहारिक हिंदी शुद्ध प्रयोग– डॉ.ओमप्रकाश
- व्यावहारिक हिंदी – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी
- खेल पत्रकारिता – सुशील दोशी, सुरेश कौशिक

द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र – B : व्यावहारिक लेखन

उद्देश्य :

- हिंदी के विविध रूपों का परिचय कराना।
- प्रयोजनमूलक हिंदी का परिचय कराना।
- पत्राचार का स्वरूप तथा प्रकारों का परिचय कराना।
- अनुवाद, विज्ञापन और समाचार लेखन से परिचित कराना।
- व्यावहारिक लेखन का महत्त्व तथा उपयोगिता से परिचित कराना।

अध्ययनार्थ विषय :

इकाई –I हिंदी के विविध रुप तथा प्रयोजनमूलक हिंदी : मातृभाषा, संपर्क भाषा, राजभाषा, सर्जनात्मक भाषा।

कार्यालयीन हिंदी, वाणिज्यिक हिंदी, विज्ञापन की हिंदी, वैज्ञानिक तथा तकनीकी साहित्य की हिंदी।

इकाई –II पत्राचार : सामान्य परिचय

रोजगार प्राप्ति हेतु आवेदन पत्र (सरकारी, अर्ध सरकारी तथा गैर सरकारी)।

इकाई –III अनुवाद और विज्ञापन : स्वरूप, प्रकार, महत्त्व, उपयोगिता।

अनुवाद कार्य तथा विज्ञापन लेखन (विज्ञापन से संबंधित)

इकाई –IV समाचार लेखन तथा पत्रकारिताः स्वरूप, उद्देश्य तथा तत्त्व।

समाचार लेखन और पत्रकारिता : संपादन तथा साजसज्जा।

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन –		अंक
प्रश्न 1 –	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2 –	समग्र पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ (तीन में से दो)	10
प्रश्न 3 –	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (पाँच में से तीन)	15
प्रश्न 4 –	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अ तथा ब – दोनों अनिवार्य	15

– संदर्भ ग्रंथ

- समाचार एवं प्रारूप लेखन – डॉ.रामप्रकाश, डॉ.दिनेश गुप्त
- प्रशासनिक एवं कार्यालयीन हिंदी – डॉ.रामप्रकाश, डॉ.दिनेश गुप्त
- समाचार संपादन – कमल दीक्षित, महेश दर्पण
- अनुवाद एवं संचार – डॉ. पूरनचंद टंडन
- विज्ञापन कला– डॉ.मधु धवन
- आधुनिक विज्ञापन – प्रेमचंद पातंजलि
- आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क – डॉ.तारेश भाटिया

- व्यावहारिक हिंदी और रचना – डॉ.कृष्णकुमार गोस्वामी
- प्रयोजनमूलक हिंदी विविध आयाम– डॉ.मनोज पांडेय
- व्यावसायिक संप्रेषण – डॉ.अनुपचंद्र पु. भयाणी
- प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ.नरेश मिश्र
- भाषा विज्ञान एवं हिंदी – डॉ.नरेश मिश्र
- प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण – प्रो.एम. ए. विराज

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

हिंदी अध्ययन मंडल

प्रथम वर्ष कला– हिंदी (विशेष ऐच्छिक)

DISIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)

(शैक्षिक वर्ष : 2018–19, 2019–20 तथा 2020–21)

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

उद्देश्य :

1. छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।
2. छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से परिचित कराना।
3. छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं को विकसित कराना।
4. निबंध, कहानी, रेखाचित्र, एकांकी, रिपोर्ताज, संस्मरण, व्यंग्य आदि विधाओं के माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास कराना।
5. छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण करना।
6. छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम, राष्ट्रीय ऐक्य स्थापना एवं सामाजिक प्रतिबद्धता हेतु राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार–प्रसार करना।
7. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. सस्वर काव्य पाठ, प्रकट वाचन, संवाद।
3. ग्रंथालयों के माध्यम से संबंधित लेखकों, कवियों की मौलिक कृतियों से छात्रों का परिचय।
4. दृक–श्राव्य साधनों/माध्यमों का प्रयोग।
5. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
6. पी.पी.टी./भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
7. विशेषज्ञों के व्याख्यान, साक्षात्कार तथा प्रश्नावली।

पाठ्यपुस्तक – साहित्य जगत्

संपादक एवं प्रकाशक,

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर।

प्रथम सत्र : विशेष ऐच्छिक प्रश्नपत्र–I

हिंदी कविता

अध्ययनार्थ पद्यपाठ :

इकाई –I
1. भिक्षुक – निराला
2. बालिका का परिचय– सुभद्राकुमारी चौहान
3. तेरी खोपडी के अंदर – नागार्जुन
4. वसंत आ गया– अज्ञेय

इकाई –II 5. अजीब–सी मुश्किल – कुंवर नारायण

6. पैदल आदमी– रघुवीर सहाय

7. बीस साल बाद – धूमिल

8. घर की याद – राजेश जोशी

इकाई –III 9. हो गई है पीर – दुष्यंतकुमार

10. माँ जब खाना परोसती थी – चंद्रकांत देवताले

11. एकलव्य – किर्ति चौधरी

12. बेजगह – अनामिका

इकाई –IV 13. नया बैंक – मंगलेश डबराल

14. सत्ता – उदय प्रकाश

15. स्त्री मुक्ति की मशाल – रजनी तिलक

16. बाजार – जया जादवानी

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन :		अंक
प्रश्न 1 –	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2 –	समग्र पाठ्यक्रम पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (तीन में से दो)	10
प्रश्न 3 –	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (पाँच में से तीन)	15
प्रश्न 4 –	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अ तथा ब – दोनों अनिवार्य (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15

द्वितीय सत्र : विशेष ऐच्छिक प्रश्नपत्र –II

हिंदी गद्य साहित्य

अध्ययनार्थ गद्य पाठ :

इकाई –I
1. जीवन और शिक्षण (निबंध) – विनोबा भावे
2. सूरदास (निबंध) – बाबू श्यामसुंदर दास
3. विज्ञापन युग (निबंध) – मोहन राकेश

इकाई –II
4. भगत की गत (व्यंग्य) – हरिशंकर परसाई
5. फुटपाथ के कलाकार (व्यंग्य) – शरद जोशी
6. गोशाला चारा और सरपंच (व्यंग्य) – शंकर पुणतांबेकर

इकाई –III
7. पंचलाईट (कहानी) – फणीश्वरनाथ 'रेणु'
8. चीफ की दावत (कहानी) – भीष्म सहानी
9. अकेली (कहानी) – मन्नू भंडारी

इकाई –IV
10. संस्कार और भावना (एकांकी) – विष्णु प्रभाकर
11. रजिया (रेखाचित्र) – रामवृक्ष बेनीपुरी
12. किसान के घर से (यात्रा संवाद) – मधु कांकरिया

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन :		अंक
प्रश्न 1 –	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2 –	समग्र पाठ्यक्रम पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (तीन में से दो)	10
प्रश्न 3 –	समग्र पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ (पाँच में से तीन)	15
प्रश्न 4 –	समग्र पाठ्यक्रम पर प्रश्न अ तथा ब – दोनों अनिवार्य (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15

संदर्भ ग्रंथ–

1. हिंदी निबंधों का शैलीगत अध्ययन – डॉ.मु.ब.शहा
2. कहानी स्वरूप और संवेदना – राजेंद्र यादव
3. शरद जोशी का व्यंग्य साहित्य – डॉ.सूर्यकांत शिंदे
4. रेणु का कथा साहित्य – सुरेश चंद्र मेहरोत्रा
5. कथाकार भीष्म सहानी – डॉ.कृष्णा पटेल
6. मोहन राकेश और उनका साहित्य – डॉ.कविता शनवारे
7. एकांकीकार विष्णु प्रभाकर – डॉ.संजय चोपडे
8. हिंदी व्यंग्य परंपरा में शंकर पुणतांबेकर का योगदान – डॉ.अनुपमा प्रभुणे
9. रामवृक्ष बेनीपुरी और उनका साहित्य – डॉ.गजानन चव्हाण
10. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
11. नागार्जुन की कविता – अजय तिवारी
12. क्रांतिकारी कवि निराला – डॉ.बच्चनसिंह
13. धूमिल की काव्य यात्रा – मंजू अग्रवाल
14. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर – डॉ.संतोषकुमार तिवारी
15. अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन – डॉ.चंद्रकांत बांदिवडेकर

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

हिंदी अध्ययन मंडल

जून, 2018 से पुनर्रचित पाठ्यक्रम की समकक्षता			
प्रथम वर्ष (कला, वाणिज्य, विज्ञान एवं अन्य विद्याशाखा)			
	हिंदी (आवश्यक)		हिंदी (अनिवार्य) (GEC)
अ.क्र.	पुराना पाठ्यक्रम	अ.क्र.	नया पाठ्यक्रम
1	सत्र – 1 अभ्यासपत्रिका क्र. A प्रयोजनमूलक हिंदी और कहानी साहित्य	1	सत्र – 1 अभ्यासपत्रिका क्र. A सर्जनात्मक लेखन
2	सत्र – 2 अभ्यासपत्रिका क्र. B प्रयोजनमूलक हिंदी और कहानी साहित्य	2	सत्र – 2 अभ्यासपत्रिका क्र. B व्यावहारिक लेखन
बी.ए. भाग – 1			
	हिंदी (ऐच्छिक)		हिंदी (विशेष ऐच्छिक) (DSEC)
1	सत्र – 1 अभ्यासपत्रिका क्र. 1 आधुनिक हिंदी साहित्य	1	सत्र – 1 अभ्यासपत्रिका क्र. 1 हिंदी कविता
2	सत्र – 2 अभ्यासपत्रिका क्र. 2 आधुनिक हिंदी साहित्य	2	सत्र – 2 अभ्यासपत्रिका क्र. 2 हिंदी गद्य साहित्य

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
हिंदी अध्ययन मंडल
द्वितीय वर्ष (कला विद्या शाखा)
Discipline Specific Elective course
हिंदी (ऐच्छिक)
(शैक्षिक वर्ष 2019–20, 2020–21, 2021–22)
(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (**CBCS**) के आलोक में किया गया है।)

तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र – **3** अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी गद्य साहित्य

उद्देश्य –

- कथा साहित्य का स्वरूप, तत्व एवं प्रकारों का अध्ययन कराना।
- समीक्षा मानदंडों के आधार पर कथा साहित्य का अध्ययन कराना।
- कथेतर साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन कराना।
- कथा और कथेतर साहित्य का वर्तमान प्रासंगिकता के साथ अध्ययन कराना।

अध्यापन पद्धति –

- व्याख्यान विश्लेषण।
- संपादकों, उपसंपादकों तथा विद्वानों से साक्षात्कार।
- चर्चा एवं संगोष्ठी।
- आई. सी. टी. का प्रयोग।

पाठ्यपुस्तक – गद्य संचयन – संपादक, हिंदी अध्ययन मंडल, शिवाजी विश्वविदयालय, कोल्हापुर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.

पाठ्य विषय–

- नारी विमर्श।
- दलित एवं अस्मिता मूलक विमर्श।
- विभाजन की त्रासदी ।

- **महान चरित्रों का परिचय।**
- **हिंदी विविध विधाओं का परिचय।**

इकाई–I कथा साहित्य –

1. जीती बाजी की हार – मन्नू भंडारी
2. गृह– प्रवेश – मिथिलेश्वर
3. घर की तलाश – राजेंद्र यादव

इकाई–II कथा साहित्य –

4. जॉर्ज पंचम की नाक – कमलेश्वर
5. पहाड – निर्मल वर्मा
6. सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती

इकाई–III कथेतर साहित्य –

7. अकेलापन और पार्थक्य (डायरी अंश) – गजानन माधव 'मुक्तिबोध'
8. घर लौटते हुए (आत्मकथा अंश) – हरिवंशराय बच्चन
9. धरती और धान (जीवनी अंश) – पाण्डेय बैचन शर्मा 'उग्र'

इकाई–IV कथेतर साहित्य –

10. अखबारी विज्ञापन(रेडियो नाटक) – चिरंजीत
11. वकील साहब (रेखाचित्र) – विनय मोहन शर्मा
12. महात्मा गांधी (संस्मरण) – रामकुमार वर्मा

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

		अंक
प्रश्न 1	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2	कथा साहित्य पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (3 में से 2)	10

प्रश्न 3	पूरे पाठ्यक्रम लघुत्तरी प्रश्न (5 में से 3) (कथा साहित्य 2 और कथेतर साहित्य पर 3 प्रश्न)	15
प्रश्न 4	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (कथा साहित्य 1 और कथेतर साहित्य पर 1 प्रश्न)	15

संदर्भ – ग्रंथ सूची

1. कथा साहित्य के प्रतिमान – डॉ. रोहिताश्व, अमन प्रकाशन, कानपुर।
2. निर्मल वर्मा का कथा साहित्य – डॉ. रघुनाथ शिरगावकर, अमन प्रकाशन,कानपुर।
3. कहानीकार कमलेश्वर : संदर्भ और प्रकृति – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे, विकास प्रकाशन, कानपुर।
4. साठोत्तरी कहानी में परिवार – डॉ. इंन्दु विरेन्द्रा, विकास प्रकाशन, कानपुर।
5. साहित्यिक विधाएँ : सैद्धातिक पक्ष – डॉ. धवन मधु, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. मन्नू भंडारी के साहित्य में चित्रित समस्याएँ – डॉ.सौ. माधवी जाधव, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
7. कहानी स्वरूप और संवेदना– राजेंद्र यादव, नॅशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली।
8. राजेंद्र यादव के कहानियों में चित्रित समस्याएँ– डॉ. अर्जुन चव्हाण, पूजा पब्लिकेशन, कानपुर ।
9. मिथिलेश्वर का कहानी जगत– डॉ. संजय चिंदगे, स्वच्छंद प्रकाशन, कोल्हापुर ।
10. मिथिलेश्वर की कहानियों में ग्रामीण यथार्थ –डॉ. वर्षा मिश्र, क्वालीटी बुक्स, कानपुर।
11. साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – डॉ. हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. डॉ. हरिवंशराय बच्चन का आत्मकथात्मक साहित्य – डॉ. श्रीनिवास, विनय प्रकाशन, कानपुर।

13. गद्य की विविध विधाएँ– डॉ. बापूराव देसाई, विनय प्रकाशन, कानपुर।

14. राजेंद्र यादव का उखडे हुए लोग संवेदना एवं शिल्प – डॉ. मोहन सावंत, ए. बी.एस. पब्लिकेशन, वाराणसी।

15. हिंदी कहानी का समकालीन परिदृश्य – डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ, विनय प्रकाशन, कानपुर।

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
हिंदी अध्ययन मंडल
द्वितीय वर्ष (कला विद्या शाखा)
Discipline Specific Elective course
हिंदी (ऐच्छिक)
(शैक्षिक वर्ष 2019–20, 2020–21, 2021–22)
(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (**CBCS**) के आलोक में किया गया है।)

तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र – **4** हिंदी संतकाव्य तथा राष्ट्रीय काव्यधारा

उद्देश्य –

- छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।
- छात्रों को मध्यकालीन हिंदी कवियों से परिचित कराना।
- छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण करना।
- छात्रों को आधुनिक हिंदी कविता में चित्रित विविध विमर्शों से परिचित कराना ।

अध्यापन पद्धति –

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. सस्वर काव्य पाठ, प्रकट वाचन, संवाद।
3. ग्रंथालयों के माध्यम से संबंधित लेखकों, कवियों की मौलिक कृतियों से छात्रों का परिचय।
4. दृक–श्राव्य साधनों/माध्यमों का प्रयोग।

पाठ्यपुस्तक – काव्यामृत, संपादक– हिंदी अध्ययन मंडल, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

पाठ्य विषय –

1. पठित दोहे एवं पदों की सटीक व्याख्या करना ।

2. मध्यकालीन संत कवियों का कार्य उजागर करना।
3. आधुनिक कविता के सामाजिक संदर्भ स्पष्ट करना।
4. आधुनिक कविता का समीक्षात्मक विश्लेषण करना ।

इकाई– मध्यकालीन काव्य–

1. कबीर के दोहे – 10
2. सूरदास के पद – 03
3. मीरा के पद – 03

इकाई–II मध्यकालीन काव्य–

4. घनानंद के पद – 03
5. रहीम के दोहे – 10
6. भूषण के पद – 03

इकाई–III आधुनिक हिंदी कविता –

7. तुकडोजी के पद – 02
8. यह तो शर्म की बात है – सुशीला टाकभौरे
9. तीली – उदय प्रकाश

इकाई–IV आधुनिक हिंदी कविता–

10. प्यार – सुधाकर मिश्र
11. गज़ल – हस्तिमल हस्ति
12. लता की शायरी – प्रकाश भोसले

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

		अंक
प्रश्न 1	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2	आधुनिक हिंदी कविता पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	पूरे पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (5 में से 3) (मध्यकालीन काव्य पर 03, आधुनिक हिंदी कविता पर 02)	15
प्रश्न 4	समग्र पाठ्यक्रम दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (मध्यकालीन काव्य पर 1 और आधुनिक हिंदी कविता पर 1 प्रश्न)	15

संदर्भ सूची

1. राष्ट्रसंत तुकडोजी के राष्ट्रीय विचार –डॉ. सौ. माधवी जाधव, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
2. प्यार का पहला खत (प्रतिनिधि गजले) – हस्तीमल 'हस्ती', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3. मनीप्लांट और फूल– डॉ. सुधाकर मिश्र, नारायण प्रकाशन, वाराणसी।
4. लता की शायरी– प्रकाश रावसाहेब भोसले, अन्नपुर्णा प्रकाशन, कानपुर।
5. 'अनभै' – सं. रतनकुमार पाण्डेय, 31 जुलाई – सितम्बर 2011, (विशेष अंक सुधाकर मिश्र)
6. 'अनभै' – सं. रतनकुमार पाण्डेय जनवरी – जून 2017(विशेष अंक हस्तीमल 'हस्ती').
7. इक्कीसवीं सदी का हिंदी काव्य – डॉ. सौ. माधवी जाधव, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

8. युगदृष्टा राष्ट्रसंत तुकडोजी का राष्ट्रीय जीवन निर्माण में योगदान – डॉ. दिनकर येवलेकर, विनय प्रकाशन, कानपुर।

9. विवके सरिता – राष्ट्रसंत श्री. तुकडोजी महाराज, श्री. गुरूदेव प्रकाशन, अमरावती।

10. हिंदी के प्रतिनिधि कवि – द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली।

11. सुधाकर मिश्र की काव्य संवेदना – डॉ अवनीश सिंह, विनय प्रकाशन,कानपुर।

12. कुसुम अंसल के काव्य साहित्य मे चित्रित नारी – जीवन के विमर्श–डॉ. आर. पी. भोसले, पूजा प्रकाशन, कानपुर।

13. राष्ट्रीय भजनावली – राष्ट्रसंत श्री. तुकडोजी महाराज, श्री. गुरूदेव प्रकाशन, अमरावती।

,

( )

( ),

DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)

– IV, - V

(- 2019-20, 2020-21 2021-22)

(CBCS)

:-

- ,
-
-
-
-
-

:-

- ,
-
- . . .
-

-

-

-
-
-
-

-1.

अ) :

(1)

) (2

)

-2. :

)

) (3

)

-3. :

1.
2.
3.
4.
5.
6.

- 4.

1.

2.

(, , ,

-

)

: -

1. , .

, ,

2. , . . ,

,

3. ,

, , ,

4. , .

, . . . ,

5. , ,

,

6. , ‘ ’-

. , ,

,

7. , ,

, ,

8.

, , -

, ,

9. , ,

,

10. ,

,

* * * * * * *

1.) :

(5)

(1)

आ)

(5)

(2)

2.)

(5)

)

(5)

(3)

3. -3 -(5 3)
(15)

4. -4 -(3 2)
(15)

(परिशिष्ट -1)

1-100 तक मानक रूप में हिंदी गिनती

भारत की राजभाषा हिंदी देवनागरी लिपि में लिखी हुई होनी चाहिए, लेकिन गिनती अरेबिक अंक (1, 2, 3 u) में होनी चाहिए, देवनागरी (1 , 2, 3 u) में नहीं ।

(परिशिष्ट - 2)

)

- , , - ,
  , - ,

----

1. Auditorium -
2. Ability -
3. Art gallery -
4. Classic drama -
5. Colour photography-
6. Actor -
7. Children's song -
8. Comical song -
9. Casting director -
10. Puppet -
11. Hero -
12. Clown/ Zony - /
13. Advantage - ,
14. Blue chip company -
15. Broker - ,
16. Bear -
17. Artificial dearness -
18. Black marketing -
19. Bonus -
20. Custom -
21. Currency -
22. Absolute amount -
23. Advance -
24. Apex Bank- /
25. Bank cash-

****

- 3

: -

1. -
2. -
3. -
4. -
5. -
6. - -
7. -
8. -
9. - -
10. -
11. -
12. -
13. u
14. -
15. -
16. -
17. -
18. -
19. -
20. - –
21. , -

22. -

23. -

24. -

25. - -

****

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
हिंदी अध्ययन मंडल
द्वितीय वर्ष (कला विद्या शाखा)
Discipline Specific Elective course
हिंदी (ऐच्छिक)
(शैक्षिक वर्ष 2019–20, 2020–21, 2021–22)
(प्रस्तुत पाठयक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (**CBCS**) के आलोक में किया गया है।)

चतुर्थ सत्र
प्रश्नपत्र – 6 अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी पद्य साहित्य

पाठ्यपुस्तक –

- कितने प्रश्न करूँ (खण्डकाव्य) – ममता कालिया

उद्देश्य –

1. छात्रों को हिंदी कवियों से परिचित कराना।
2. छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमता को विकसित कराना।
3. छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।
4. छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण कराना।

अध्यापन पद्धति –

- व्याख्यान तथा विश्लेषण।
- सस्वर काव्य पाठ, प्रकट वाचन, संवाद।
- ग्रंथालयों के माध्यम से संबंधित कवि की मौलिक कृतियों से छात्रों का परिचय।
- दृक–श्राव्य साधनों/माध्यमों का प्रयोग।

पाठ्य पुस्तक – कितने प्रश्न करूँ (खण्डकाव्य) – ममता कालिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

पाठ्य विषय –

1. **पात्रों की चारित्रिक विशेषताओं को समझाना ।**
2. **आधुनिक बोध से अवगत कराना ।**
3. **खंडकाव्य का समीक्षात्मक विवेचन।**
4. **समानता की दृष्टि वृध्दिगत करना ।**

इकाई–I ममता कालिया का व्यक्तित्व एवं कृतित्व :–

1. ममता कालिया का जीवन परिचय।
2. ममता कालिया का व्यक्तित्व का परिचय।
3. ममता कालिया का कृतित्व।

इकाई–II

1. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य का कथानक।
2. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य में चित्रित पात्र एवं चरित्र चित्रण।
3. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य के संवाद।

इकाई–III

1. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य का देशकाल तथा वातावरण।
2. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य की भाषा–शैली।
3. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य का उद्देश्य।

इकाई–IV

1. ' कितने प्रश्न करूँ' 'खण्डकाव्य में चित्रित समसामायिकता।
2. ' कितने प्रश्न करूँ' खंण्डकाव्य की शीर्षक की सार्थकता।
3. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य में चित्रित समस्याएँ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

		अंक
प्रश्न 1	' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2	' कितने प्रश्न करूँ' खडकाव्य पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य पर लघुत्तरी प्रश्न(5 में से 3)	15
प्रश्न 4	' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15

संदर्भ सूची

1. कविता के नए प्रतिमान – डॉ. नामवर सिंह
2. कविता का प्रतिसंसार – निर्मला जैन
3. आधुनिक खण्डकाव्यों में युग चेतना – डॉ. एन. डी. पाटील, विनय प्रकाशन, कानपुर।
4. ममता कालिया : व्यक्तित्व एवं कृतित्व – डॉ. फैमिदा बीजापुरे, विनय प्रकाशन, कानपुर।

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
हिंदी अध्ययन मंडल
द्वितीय वर्ष (आंतर विद्या शाखा)**I.D.S.**
तृतीय सत्र
प्रयोजनमूलक हिंदी
प्रश्नपत्र 1
(शैक्षिक वर्ष 2019–20, 2020–21, 2021–22)
(प्रस्तुत पाठयक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (**CBCS**) के आलोक में किया गया है।)

उद्देश्य –

- हिंदी के व्यावहारिक पक्ष से परिचित कराना।
- वाणिज्यिक व्यवहार में हिंदी भाषा को प्रज्वलित कराना।
- हिंदी में कार्य करने की रूचि विकसित कराना।
- रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान करना।
- राष्ट्रभाषा के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
- कार्यालय और व्यवसाय में हिंदी प्रयोग का कौशल विकास विकसित करना।

अध्ययनार्थ विषय –

इकाई–I कार्यालयीन पत्राचार–

1. नौकरी के लिए आवेदन पत्र।
2. पदाधिकारियों के नाम पत्र।
3. छुट्टी के लिए प्रार्थना पत्र।
4. परिपत्र।

इकाई–II अनुवाद : सैद्धांतिक पक्ष –

1. अनुवाद की परिभाषा।
2. अनुवाद का स्वरूप।
3. अनुवाद की उपयोगिता।
4. अनुवादक के गुण।

इकाई–III समाचार का अनुवाद –

1. समाचार का अनुवाद।

2. अंग्रेजी एवं हिंदी अनुच्छेदों में से किसी एक का अनुवाद।

3. अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद(दो में से एक)

4. हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद (दो में से एक)

इकाई–IVमुद्रित संचार माध्यमों का सामान्य परिचय –

1. दै. समाचार पत्र 2.पत्र–पत्रिकाएँ

3.विज्ञापन 4.उद्घोषणा का सामान्य परिचय।

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

		अंक
प्रश्न 1	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न।	10
प्रश्न 2	इकाई **I** पर पत्रलेखन प्रश्न(3 में से 2)	10
प्रश्न 3	इकाई **IV** पर लघुत्तरी प्रश्न(3 में से 2)	15
प्रश्न 4	(अ) इकाई **II** पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
	(आ) इकाई **III** पर अनुवाद लेखन। (हिंदी और अंग्रेजी अनुच्छेदों में से किसी एक का अनुवाद।)	05

❖ **संदर्भ ग्रंथ सूची –**

- हिंदी और उसका व्यवहार – डॉ. व्ही. के. मोरे – फडके प्रकाशन, कोल्हापुर।
- पत्रकारिता के सिद्धांत – डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली।
- अनुवाद चिंतन – डॉ. अर्जुन चव्हाण, अमन प्रकाशन, कानपुर।
- प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आधुनिक जनसंचार और हिंदी – प्रो. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
- प्रयोजनमूलक हिंदी व्याकरण एवं पत्रलेखन – डॉ. बापूराव देसाई, विनय प्रकाशन, कानपुर।
- रोजगारोन्मुख हिंदी – डॉ. गणेश ठाकुर, विजय प्रकाशन, कानपुर।

.....

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
हिंदी अध्ययन मंडल
द्वितीय वर्ष (आंतर विद्या शाखा)**I.D.S.**
चतुर्थ सत्र
प्रयोजनमूलक हिंदी
प्रश्नपत्र 2
(शैक्षिक वर्ष 2019–20, 2020–21, 2021–22)

(प्रस्तुत पाठयक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (**CBCS**) के आलोक में किया गया है।)

उद्देश्य –

- हिंदी के व्यावहारिक पक्ष से परिचित कराना।
- वाणिज्यिक व्यवहार में हिंदी भाषा को प्रज्वलित करना।
- हिंदी में कार्य करने की रूचि विकसित करना।
- रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान करना।
- राष्ट्रभाषा के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
- कार्यालय और व्यवसाय में हिंदी प्रयोग का कौशल विकास विकसित करना।

अध्ययनार्थ विषय –

इकाई–Iसंगणक का परिचय।

1. संगणक का सामान्य परिचय।
2. संगणक के उपयोग।
3. इंटरनेट सेवा । (प्रयोग विधि)
4. ई–मेल सेवा(प्रेषण एवं प्राप्ति)

इकाई–IIवृत्तांत लेखन।

1. महाविद्यालयीन समारोह का वृत्तांत लेखन।
2. सामाजिक समारोह का वृत्तांत लेखन।
3. प्राकृतिक आपदाओं का वृत्तांत लेखन।
4. दुर्घटनाओं का वृत्तांत लेखन।

इकाई–III वाणिज्य पत्राचार।

1. पूछताछ के पत्र।
2. क्रयादेश के पत्र।
3. संदर्भ के पत्र।
4. शिकायती पत्र।

इकाई–IVइलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यम का सामान्य परिचय।

1. रेडिओ 2.दूरदर्शन 3. टेलीकॉफ्रेंस 4.डाक्यूमेंट्री का सामान्य परिचय। (तकनीकी जानकारी अपेक्षित नहीं है।)

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

		अंक
प्रश्न 1	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न।	10
प्रश्न 2	इकाई **I** विभाग पर प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	इकाई **II** विभाग पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	15
प्रश्न 4	(अ) इकाई **III** पर पत्रलेखन (3 में से 2)	08
	(आ) इकाई **IV** पर प्रश्न (3 में से 2)	07

❖ **संदर्भ ग्रंथ सूची –**

- हिंदी और उसका व्यवहार – डॉ. व्ही. के. मोरे – फडके प्रकाशन, कोल्हापुर।
- पत्रकारिता के सिद्धांत – डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली।
- अनुवाद चिंतन – डॉ. अर्जुन चव्हाण, अमन प्रकाशन, कानपुर।
- प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आधुनिक जनसंचार और हिंदी – प्रो. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
- प्रयोजनमूलक हिंदी विविध परिदृश्य – डॉ रमेशचंद्र त्रिपाठी, विनय प्रकाशन, कानपुर।

.....

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

D.S.E.C.

बी.ए.भाग–2 (हिंदी)

C.B.C.S.

जून 2019 पासून सुरू होणा-या सुधारित अभ्यासक्रम समकक्षता

अ.क्र.	जुना अभ्यासक्रम	नवीन अभ्यासक्रम
1	तीसरे सत्र अभ्यासप्रत्रिका क्रामांक 3 आधुनिक गद्य साहित्य	तीसरे सत्र अभ्यासपत्रिका क्रमांक 3 अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी गद्य साहित्य
2	तीसरे सत्र अभ्यासपत्रिका क्रमांक 4 मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य	तीसरे सत्र अभ्यासपत्रिका क्रमांक 4 हिंदी संतकाव्य तथा राष्ट्रीय काव्य
3	चौथे सत्र अभ्यासपत्रिका क्रमांक 5 आधुनिक गद्य साहित्य	चौथे सत्र अभ्यासपत्रिका क्रमांक 5 हिंदी में रोजगार के अवसर
4	चौथे सत्र अभ्यासपत्रिका क्रमांक 6 आधुनिक काव्य	चौथे सत्र अभ्यासपत्रिका क्र. 6 अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी पद्य साहित्य
5	प्रश्नपत्र –1,2 I.D.S. प्रयोजनमूलक हिंदी	प्रश्नपत्र –1,2 I.D.S. प्रयोजनमूलक हिंदी

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.

Accredited By NAAC with 'A' Grade

Revised Syllabus For

B.A. Part-III

Hindi.

Syllabus to be implemented from

June, 2020 onwards.

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

जून 2020 से लागू

हिंदी स्पेशल बी.ए.–3 (कला)

सत्र–V, VI

Discipline Specific Elective

(शैक्षिक वर्ष –2020–21, 2021–22, 2022–23)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।

सत्र–V

प्रश्नपत्र– VII : **विधा विशेष का अध्ययन।**
प्रश्नपत्र– VIII : **साहित्यशास्त्र ।**
प्रश्नपत्र– IX : **हिंदी साहित्य का इतिहास।**
प्रश्नपत्र– X : **प्रयोजनमूलक हिंदी ।**
प्रश्नपत्र– XI : **भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा ।**

सत्र–VI

प्रश्नपत्र– XII : **विधा विशेष का अध्ययन।**
प्रश्नपत्र– XIII : **साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना।**
प्रश्नपत्र– XIV : **हिंदी साहित्य का इतिहास।**
प्रश्नपत्र– XV : **प्रयोजनमूलक हिंदी ।**
प्रश्नपत्र– XVI : **भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा ।**

सत्र V और VI : परीक्षा में एक प्रश्नपत्र 50 अंकों का होगा, जिसमें 40 अंक लिखित परीक्षा के और 10 अंक अंतर्गत मूल्याकंन के लिए है। जिसमें सेमिनार, मौखिकी, परियोजना, (प्रोजेक्ट) गृहकार्य, में से एक देना अनिवार्य है।

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

जून 2020 से लागू

हिंदी स्पेशल बी.ए.–3 (कला)

सत्र –V प्रश्नपत्र– VII

विधा विशेष का अध्ययन

Discipline Specific Elective (D.S.E.-E6)

(शैक्षिक वर्ष –2020 –21, 2021–22, 2022–23)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।

पाठ्यक्रम

उद्देश्य :

1.नाटककार कुसुम कुमार की बहुमुखी प्रतिभा से परिचित कराना।

2.नाटककार कुसुम कुमार के साहित्य से परिचित कराना।

3.नाटककार कुसुम कुमार की विचारधारा से परिचित कराना।

4.नाटककार कुसुम कुमार के निर्धारित ग्रंथ का सूक्ष्म आलोचनात्मक अध्ययन कराना।

5.लेखिका के नाटककार के रूप में साहित्यिक स्थान को निर्धारित कराना।

अध्यापन पद्धति

- स्वाध्याय .
- व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण
- संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
- अतिथियों एवं विद्वानों के व्याख्यान।
- दृक श्राव्य माध्यमों का प्रयोग।
- संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।

पाठ्यपुस्तक

'दिल्ली ऊँचा सुनती है' (नाटक) –कुसुम कुमार

किताबघर प्रकाशन, अन्सारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली–110002

इकाई 1 कुसुम कुमार का जीवन परिचय, व्यक्तित्व, कृतित्व एवं नाटककार कुसुम कुमार का सामान्य परिचय ।

इकाई 2 'दिल्ली ऊँचा सुनती है'– कथावस्तु एवं शीर्षक की सार्थकता।

इकाई 3 'दिल्ली ऊँचा सुनती है'– पात्र एवं चरित्र –चित्रण, संवाद, देशकाल वातावरण।

इकाई 4 'दिल्ली ऊँचा सुनती है'– भाषा शैली, उद्देश्य अभिनेयता एवं समस्याएँ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन		**अंक**
प्रश्न 1	पूरे पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2	'दिल्ली ऊँचा सुनती है' पर ससंदर्भ प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	'दिल्ली ऊँचा सुनती है' एवं कुसुम कुमार पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न 4	'दिल्ली ऊँचा सुनती है' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10

संदर्भ ग्रंथ सूची–

- डॉ. कुसुम कुमार एक प्रयोगधर्मी नाटककार– डॉ.दत्तात्रय मोहिते, विद्या प्रकाशन, 'सी' 449, गुजैनी, कानपुर–208022
- स्वांतत्र्योंत्तर हिंदी नाटक–डॉ.रंजन तिवारी, विद्या प्रकाशन, कानपुर–208022
- हिंदी महिला नाटककार–डॉ.भगवान जाधव, विद्या प्रकाशन, कानपुर–208022
- समकालीन हिंदी नाटक– डॉ. जशवंतभाई पंडया, ज्ञान प्रकाशन, कानपुर

सत्र –VI प्रश्नपत्र– XII

DSE-E131

उद्देश्य :

- उपन्यास के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।
- उपन्यासकार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।
- रचना विशेष का महत्त्व समझने एवं मूल्याकंन करने की क्षमता बढाना।
- रचना के आस्वादन एवं समीक्षा की क्षमता विकसित कराना।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यास की प्रासंगिकता से अवगत कराना।

पाठ्यपुस्तक –अंतिम साक्ष्य (उपन्यास)–चंद्रकांता

अमन प्रकाशन, 104 A/80 सी रामबाग, कानपुर– 12

इकाई 1. चंद्रकांता का जीवन परिचय, व्यक्तित्व, कृतित्व एवं उपन्यासकार चंद्रकांता का सामान्य परिचय ।

इकाई 2. 'अंतिम साक्ष्य'–कथावस्तु एवं शीर्षक की सार्थकता।

इकाई 3. 'अंतिम साक्ष्य'–पात्र एवं चरित्र –चित्रण तथा संवाद।

इकाई 4. 'अंतिम साक्ष्य'–देशकाल तथा वातावरण, भाषा शैली, उद्देश्य एवं समस्याएँ ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन		**अंक 40**
प्रश्न 1	पूरे पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2	'अंतिम साक्ष्य' पर ससंदर्भ प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	'अंतिम साक्ष्य' एवं चंद्रकांता पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न 4	'अंतिम साक्ष्य' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10

संदर्भ ग्रंथ सूची –

- **चद्राकांता का कथा साहित्य–समकालीन परिवेश तथा संदर्भ–डॉ.अमोल पालकर, विद्या प्रकाशन, कानपुर–208022**
- **चद्राकांता का कथा साहित्य–डॉ.जगदीश चव्हाण, विद्या प्रकाशन, कानपुर–208022**

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

जून 2020 से लागू

हिंदी स्पेशल बी.ए.–3 (कला)

सत्र –V प्रश्नपत्र– VIII

साहित्यशास्त्र

Discipline Specific Elective (D.S.E.-E7)

(शैक्षिक वर्ष –2020 –21, 2021–22, 2022–23)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।

उद्देश्य :

1) साहित्य निर्मिति की प्रक्रिया का बोध कराना।

2) साहित्य /काव्य के विभिन्न अंगों, भेदों से परिचित कराना।

3) साहित्य/काव्य की नवीन विधाओं से परिचित कराना।

4) समीक्षा सिद्धांतों से परिचित कराना।

5) साहित्य /काव्य के तत्वों से परिचित कराना।

6) अलंकारों से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति –

- स्वाध्याय .
- व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण
- भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का सैद्धांतिक एवं अनुप्रयोग की दृष्टि से।
- संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
- अतिथियों एवं विद्वानों के व्याख्यान।
- दृक श्राव्य माध्यमों का प्रयोग।
- संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।

अध्ययनार्थ विषय –

इकाई 1 काव्य/साहित्य – स्वरूप, तत्व, प्रयोजन।

इकाई 2 काव्य के प्रकार, काव्य गुण, काव्य दोष।

इकाई 3 रस – स्वरूप, रस के अंग, रस के भेद।

इकाई 4 अलंकार – शब्दालंकार –अनुप्रास, वक्रोक्ति, यमक, वीप्सा

अर्थालंकार – उपमा, रूपक, अतिशयोक्ति, विभावना।

(केवल लक्षण एवं उदाहरण अपेक्षित)

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन		अंक 40
प्रश्न 1	पूरे पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2	इकाई 2 पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	इकाई 4 पर टिप्पणियां (3 में से 2)	10
प्रश्न 4	इकाई 1 और 3 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10

सत्र–VI प्रश्नपत्र–XIII

साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना

DSE-E132

इकाई 1 महाकाव्य – स्वरूप, भारतीय तत्व।

प्रगीत – स्वरूप, भेद।

गजल – स्वरूप, प्रमुख अंग।

इकाई 2 एकांकी – स्वरूप एवं तत्व।

कहानी – स्वरूप एवं तत्व।

उपन्यास – स्वरूप एवं तत्व।

इकाई 3 रेखाचित्र – स्वरूप एवं विशेषताएँ ।

आत्मकथा – स्वरूप एवं विशेषताएँ ।

यात्रावृत्त – स्वरूप एवं विशेषताएँ ।

इकाई 4 आलोचना का स्वरूप।

आलोचक के गुण।

आलोचना के प्रकार –

1) व्याख्यात्मक आलोचना।

2) तुलनात्मक आलोचना।

3) मनोवैज्ञानिक आलोचना।

4) ऐतिहासिक आलोचना।.

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन		अंक 40
प्रश्न 1	पूरे पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2	इकाई 2 पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	इकाई 4 पर टिप्पणियां (3 में से 2)	10
प्रश्न 4	इकाई 1 और 3 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10

संदर्भ ग्रंथ सूची

1) काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र।

2) शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत – डॉ.गोविंद त्रिगुणायत।

3) काव्य के रूप – बाबू गुलाबराय ।

4) भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ.कृष्णदेव झारी।

5) भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ.मानवेंद्र पाठक।

6) भारतीय साहित्यशास्त्र – डॉ. बलदेव उपाध्याय ।

7) साहित्यशास्त्र – डॉ. चंद्रभान सोनवणे।

8) भारतीय काव्यशास्त्र –डॉ.योगेंद्र प्रताप सिंह।

9) हिंदी आलोचना के बीज शब्द – डॉ. बच्चन सिंह।

10) पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत विवेचन – डॉ.ओमप्रकाश शर्मा, शैलजा प्रकाशन, यशोदानगर, कानपुर–208011 ।

11) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ.त्रिलोकनाथ श्रीवास्तव ,डॉ.गंगासहाय प्रेमी, साहित्य सरोवर प्रकाशन, जयपुर हाऊस, आगरा–282010।

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

जून 2020 से लागू

हिंदी स्पेशल बी.ए.–3 (कला)

सत्र V प्रश्नपत्र IX

हिंदी साहित्य का इतिहास

Discipline Specific Elective (D.S.E.-E8)

(शैक्षिक वर्ष –2020 –21, 2021–22, 2022–23)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।

उद्देश्य :

1. हिंदी भाषा तथा साहित्य की विकास यात्रा से अवगत कराना।
2. हिंदी साहित्य की विकास यात्रा में हिंदी भाषा के माध्यम से अलग–अलग विचारधारा और प्रवृत्तियों से अवगत कराना।
3. छात्रों में साहित्य समझने तथा उसका आस्वादन, मूल्यांकन करने की दृष्टि को बढाना।
4. छात्रों को साहित्य के संदर्भ में विभिन्न साहित्यिक विधाओं के विकास क्रम से परिचित कराना।
5. छात्रों को युगीन सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी से अवगत कराना।
6. इतिहासकारों द्वारा प्रस्तुत काल विभाजन और नामकरण को जानने के लिए प्रेरित करना।
7. हिंदी के प्रमुख संत कवि, उनकी रचनाएँ और उनका समाजसुधार में योगदान से परिचित कराना।
8. हिंदी साहित्य के अंतर्गत गद्य–पद्य विधा और उसके भेदों, उपभेदों से अवगत कराना।

9. आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक के संत, महात्मा, लेखक, कवियों की विचारधारा और उनके द्वारा निर्मित साहित्य का सामान्य परिचय कराना।

अध्यापन पद्धति

- स्वाध्याय .
- व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण ।
- संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
- अतिथियों एवं विद्वानों के व्याख्यान।
- दृक श्राव्य माध्यमों का प्रयोग।
- संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।

अध्ययनार्थ विषय –

इकाई – 1 आदिकाल –

1. आदिकाल का नामकरण।
2. सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियाँ।
3. आदिकाल की प्रतिनिधि रचनाएँः सामान्य परिचय –

अ) पृथ्वीराज रासो।

आ) बीसलदेव रासो।

इकाई – 2 . भक्तिकाल–

1. भक्तिकालीन सामाजिक परिस्थितियाँ।
2. भक्तिकालीन राजनीतिक परिस्थितियाँ।
3. भक्तिकालीन कवियों का सामान्य परिचय–

    अ) संत नामदेव

    आ) संत रविदास

    इ) संत मीराबाई

    ई) गुरू नानक

इकाई – 3 . निर्गुण भक्ति धारा–

1. निर्गुण भक्ति धारा काव्य की सामान्य विशेषताएँ।
2. कबीर : जीवन परिचय एवं कृतित्व।

3. जायसी : जीवन परिचय एवं कृतित्व।

इकाई – 4 . सगुण भक्ति धारा–

1. सगुण भक्ति धारा काव्य की विशेषताएँ ।
2. तुलसीदास : जीवन परिचय एवं कृतित्व।
3. सूरदास : जीवन परिचय एवं कृतित्व।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन		**अंक** 40
प्रश्न 1	पुरे पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न।	10
प्रश्न 2	इकाई 1 पर लघुत्तरीय प्रश्न (3 में से 2)।	10
प्रश्न 3	इकाई 2 पर टिप्पणियाँ (3 मे 2) ।	10
प्रश्न 4	इकाई 3 और 4 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)।	10

सत्र VI प्रश्नपत्र –XIV

हिंदी साहित्य का इतिहास

DSE-E133

इकाई – 1 रीतिकाल –

1. रीतिकाल का नामकरण।
2. सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियाँ।
3. प्रतिनिधि कवियों का सामान्य परिचय –

अ) केशवदास

आ) बिहारी

इ) भूषण

ई) धनानंद।

इकाई – 2 आधुनिक काल –

1. प्रारंभिक हिंदी गद्य साहित्य का सामान्य परिचय ।
2. आधुनिककालीन सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियाँ।
3. युग प्रवर्तक साहित्यकार–

    अ) भारतेंदु हरिश्चंद्र

    आ) जयशंकर प्रसाद

    इ) मोहन राकेश

इकाई – 3 आधुनिक गद्य विधाओं का विकास–

1. हिंदी उपन्यास साहित्य उद्भव और विकास।
2. हिंदी नाटक साहित्य उद्भव और विकास।
3. हिंदी यात्रा साहित्य उद्भव और विकास।

इकाई – 4 हिंदी काव्य की विभिन्न धारा और उनकी विशेषताएँ ।

1. छायावाद।
2. प्रगतिवाद
3. समकालीन कविता।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन		अंक 40
प्रश्न 1	पुरे पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2	इकाई 1 पर लघुत्तरीय प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	इकाई 2 पर टिप्पणियाँ (3 में 2)	10
प्रश्न 4	इकाई 3 और 4 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. हिंदी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, जयभारती प्रकाशन, माया प्रेस रोड, इलाहाबाद।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास– डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास– डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य की भूमिका, डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।
5. हिंदी साहित्य का सही इतिहास– डॉ.चंद्रभानु सोनावने।
6. हिंदी साहित्यः युग और प्रवृत्तियाँ– डॉ.शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
7. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास– गणपतिचंद्र गुप्त।
8. मध्यकालीन कवि और कविता– रतन कुमार पाण्डेय, अनभै प्रकाशन, मुंबई।
9. हिंदी साहित्य का इतिहास– डॉ.पूरनचंद टंडन, जगतराम एंड सन्स, नई दिल्ली।
10. भक्तिकाल के कालजई रचनाकार–विष्णु दास वैष्णव, कमला प्रकाशन– डीसा गुजरात।
11. हिंदी साहित्य का इतिहास : नए विचार नई दृष्टि– डॉ. सुरेशकुमार जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. सूरदास : एक पुनरावलोकन, डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रकाशन, पुणे।
13. हिंदी साहित्य का इतिहास– डॉ.गंगासहाय प्रेमी, डॉ.अशोक तिवारी, साहित्य सरोवर प्रकाशन, जयपुर हाऊस, आगरा।
14. संत कबीर व्यक्तित्व एवं रचनाएं–डॉ.मो.मजिद मिया, जीएस पब्लिशर्स डिस्टीब्यूटर्स, शाहदरा– दिल्ली।
15. षटकवि : विवेचनात्मक अध्ययन– खण्ड : 1 और 2, डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रकाशन, 1312, शिवाजीनगर, जे.एम.रोड, पुणे– 05।

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

जून 2020 से लागू

हिंदी स्पेशल बी.ए.–3 (कला)

सत्र–V प्रश्नपत्र–X

प्रयोजनमूलक हिंदी

Discipline Specific Elective (D.S.E.-E9)

(शैक्षिक वर्ष –2020 –21, 2021–22, 2022–23)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।

उद्देश्य :

1.हिंदी में कार्य करने की रूचि विकसित करना।

2.रोजगार उन्मुख शिक्षा एवं कौशल्य प्रदान करना।

3.पारिभाषिक शब्दावली से परिचित करना।

4.सरकारी पत्राचार के स्वरूप का परिचय कराना।

5.जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से परिचय कराना।

6. अनुवाद स्वरूप, महत्व तथा उपयोगिता से परिचित कराना।

7. रोजगार परक हिंदी की उपयोगिता स्पष्ट कराना।

अध्यापन पद्धति

- स्वाध्याय .
- व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण
- संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
- अतिथियों एवं विद्वानों के व्याख्यान।
- दृक श्राव्य माध्यमों का प्रयोग।
- संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।

अध्ययनार्थ विषय –

इकाई – 1पारिभाषिक शब्दावली।

दैनिक व्यवहार में प्रयुक्त अंग्रेजी शब्दों के हिंदी पर्यायवाची रूप । (परिशिष्ट में दिए हुए 'अ' तथा 'ब' विभाग के 50 शब्द)।

इकाई –2 सरकारी कार्यालयीन पत्राचार।

1. कार्यालय ज्ञापन।
2. परिपत्र।
3. कार्यालय आदेश।
4. सूचना।
5. अनुस्मारक पत्र।

इकाई –3 हिंदी भाषा और रोजगार के अवसर।

1. रेडियो में रोजगार।
2. विज्ञापन में रोजगार।
3. अनुवाद में रोजगार।
4. पत्रकारिता में रोजगार।
5. फिल्म में रोजगार।

इकाई –4समाचार लेखन।

1. महाविद्यालयीन समारोह का समाचार लेखन।
2. सामाजिक समारोह का समाचार लेखन।
3. प्राकृतिक आपदाओं का समाचार लेखन।
4. दुर्घटनाओं का समाचार लेखन।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन		**अंक** 40
प्रश्न 1	पारिभाषिक शब्दावली पर दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10
प्रश्न 2	इकाई 2 पर लघुत्तरीय प्रशन (3 में से 2)।	10
प्रश्न 3	इकाई 3 पर टिप्पणियाँ (3 मे 2) ।	10
प्रश्न 4	इकाई 4 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)।	10

परिशिष्ट (अ)

पारिभाषिक शब्दावली

	जनसंचार माध्यम संबंधी शब्द	
1.	Announcer	निवेदक
2.	Artistic	कलात्मक
3.	Audio-Visual	दृक–श्राव्य
4.	Banner	पताका
5.	Biographer	जीवनीकार
6.	Biweekly	अर्धसाप्ताहिक
7.	Bulletin	विज्ञाप्ति
8.	Catalogue	सूची
9.	Calligraphy	सुलेखन
10.	Caption	शीर्षक /चित्र परिचय
11.	Cartoonist	व्यंग्य चित्रकार
12.	Choreography	नृत्य रचना
13.	Columnist	स्तंभलेखक
14.	Commentator	समालोचक
15.	Compositer	अक्षर योजक
16.	Communication	संचार
17.	Creation	सृजन
18.	Correspondent	संवाददाता
19.	Information Technology	सूचना तंत्रज्ञान
20.	Interview	साक्षात्कार
21.	Interruption	रूकावट
22.	Journalist	पत्रकार
23.	Magazine	पत्रिका
24.	Source Language	स्त्रोत भाषा
25.	Transliteration	लिप्यंतरण

परिशिष्ट (ब)

शिक्षा सभा और संमेलन संबंधी शब्द

1.	Abstract	सार संक्षेप
2.	Academic Goal	शैक्षिक ध्येय
3.	Address	अभिभाषण संबोधन
4.	Adult Education	प्रौढ शिक्षा
5.	Agenda	कार्यसूची
6.	Anniversary	जयंती वर्षगाँठ
7.	Anthology	संकलन /संग्रह
8.	Appraisal	मूल्यांकन
9.	Attestation	साक्षांकन /अनुप्रमाणन
10.	Audiance	श्रोतागण
11.	Autonomous	स्वायत्त
12.	Bibliography	संदर्भ ग्रंथ सूची
13.	Bachelor	स्नातक
14.	Closing Speech	समापन भाषण
15.	Conference Hall	सम्मेलन भवन
16.	Conclusion	समापन
17.	Document	दस्तावेज
18.	Draft	प्रारूप मसौदा
19.	Guardian	अभिभावक
20.	Humanity	मानविकी
21.	Hypothesis	परिकल्पना
22.	Inauguration	उद्घाटन
23.	Informal	अनौपचारिक
24.	Symposium	संगोष्ठी
25.	Viva-Voce	मौखिक परीक्षा

सत्र–VI प्रश्नपत्र–XV

प्रयोजनमूलक हिंदी

DSE-E134

अध्ययनार्थ विषय –

इकाई –1 पारिभाषिक शब्दावली.

दैनिक व्यवहार में प्रयुक्त अंग्रेजी शब्दों एवं पदनामों के हिंदी पर्यायवाची रूप (परिशिष्ट में दिए हुए 'क' तथा 'ड' विभाग के शब्द एवं पदनाम)

इकाई –2. संदर्भ स्त्रोतों का सामान्य परिचय :

1. इन्स्टाग्राम
2. फेसबुक
3. व्हॉटस्अप
4. ट्विटर
5. ब्लॉग

इकाई–3. जनसंचार इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का सामान्य परिचय :

1. दूरदर्शन
2. इंटरनेट
3. डाक्यूटमेंटरी
4. व्हिडिओ कॉंफ्रेंस
5. यु टयूब

इकाई –4 अनुवाद

1. अनुवाद स्वरूप और महत्व ।
2. अनुवाद की उपयोगिता ।
3. प्रकृति के आधार पर अनुवाद के प्रकार ।
4. अनुवादक के गुण।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन		अंक 40
प्रश्न 1	पारिभाषिक शब्दावली पर दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10
प्रश्न 2	इकाई 2 पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	इकाई 3 पर टिप्पणियाँ (3 में से 2)	10
प्रश्न 4	इकाई 4 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. जनसंचार और पत्रकारिता–विविध आयाम– डॉ.ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रकाशन, पुणे ।
2. मीडिया कालीन हिंदी स्वरूप एवं संभावनाएँ–डॉ. अर्जुन चव्हाण, राधाकृष्ण प्रकाशन नई, दिल्ली।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका–डॉ. कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नई, दिल्ली।
4. प्रयोजनमूलक हिंदी– डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5. प्रयोजनामूलक हिंदी– विविध परिदृश्य–डॉ.रमेशचंद्र त्रिपाठी, डॉ.पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, कानपुर।
6. हिंदी भाषा और सूचना प्रौद्योगिकी–डॉ. दीपक रामा तुपे, अभिषेक प्रकाशन, दिल्ली।
7. हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर–प्रा.विकास पाटील, ए.बी.एस. पब्लिकेशन वाराणसी।
8. मिडिया में कैरियर– पी.के. आर्य, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली।
9. प्रयोजनमूलक हिंदी, 'साहित्य सरोवर' –डॉ.श्रीमती आशा मोहन, साहित्य सरोवर प्रकाशन, प्रभु नगर, आगरा–280101
10. मिडिया : एक अंतर्यात्रा– डॉ.स्मिता मिश्र, मंजुली प्रकाशन, नई दिल्ली–23।

परिशिष्ट (क)

	अंग्रेजी के हिंदी वाक्यांश	
1.	Above Mentioned / Said	उपर्युक्त
2.	According to	के अनुसार
3.	After discussion	विचार विवर्श के बाद
4.	Age of retirement	सेवानिवृत्ति की उम्र
5.	As directed	निर्देशानुसार
6.	Effective Control	प्रभावी नियंत्रण
7.	Examine the proposal	प्रस्ताव की जाँच करें
8.	Eligibility is certified	पात्रता प्रमाणित की जाती है
9.	Facilities are not available	सुविधाएँ उपल्बध नहीं है
10.	For Compliance	अनुपालन के लिए
11.	For perusal	अवलोकनार्थ
12.	Gain Wrongfully	अनुचित रूप से प्राप्त करना
13.	Grant of permission	अनुमति देना
14.	Gross negligence	घोर उपेक्षा
15.	Noted and returned	नोट करके वापस किया जाता है
16.	Not in vogue	प्रचलित नहीं हैं
17.	Not satisfactory	संतोषजनक नहीं हैं
18.	Objection is Not valid	आपत्ति वैद्य/मान्य नहीं हैं
19.	On probation	परिवीक्षाधीन
20.	Order was cancelled	आदेश रद्द
21.	Paper under consideration	विचाराधीन पत्र
22.	Passed for payment	भुगतान के लिए पास किया
23.	Pending Cases	प्रलंबित मामले
24.	I agree	मैं सहमत हूँ
25.	In anticipation of	की प्रतीक्षा में

परिशिष्ट (ड)

	पदनाम संबंधी शब्द	
1.	Adviser	सलाहकार
2.	Accountant	लेखाकार
3.	Advocate	अधिवक्ता
4.	Cashier	रोकडिया/खजाँची
5.	Custodian	अभिरक्षक

6.	Councillor	पार्षद
7.	Director	निदेशक
8.	Executive Engineer	कार्यकारी अभियंता
9.	Foreign secretary	विदेश सचिव
10.	Governor	राज्यपाल
11.	His majesty	महामहिम
12.	Investigater	अन्वेषक
13.	Manager	प्रबंधक
14.	Member of legislative Assembly	विधायक
15.	Member of parliament	सासंद / संसद सदस्य
16.	President	राष्ट्रपति
17.	Prime minister	प्रधानमंत्री
18.	Registrar	कुलसचिव
19.	Speaker	सभापति
20.	Stenographer	आशुलिपिक
21.	Superintendent	अधीक्षक
22.	Treasurer	कोषाध्यक्ष
23.	Under secretary	अवर सचिव
24.	Vice Chancellor	कुलपति
25.	Warden	रक्षक

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

जून 2020 से लागू

हिंदी स्पेशल बी.ए.–3 (कला)

सत्र–V प्रश्नपत्र–XI

भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

Discipline Specific Elective (D.S.E.-E10)

(शैक्षिक वर्ष –2020 –21, 2021–22, 2022–23)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।

उद्देश्य :

1) भाषा के विविध रूपों का परिचय कराना ।

2) भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय कराना।

3) हिंदी भाषा एवं लिपि के उद्भव और विकास का परिचय कराना ।

4) भाषा की शुद्धता के प्रति छात्रों को जागृत करना ।

5) मानक हिंदी वर्तनी और व्याकरण से छात्रों को परिचित कराना ।

अध्यापन पद्धति

- स्वाध्याय .
- व्याख्यान, विवेचन तथा विश्लेषण
- संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
- अतिथियों एवं विद्वानों के व्याख्यान।
- दृक श्राव्य माध्यमों का प्रयोग।
- संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।

अध्ययनार्थ विषय –

इकाई 1– भाषा की परिभाषाएँ, भाषा की विशेषताएँ, भाषा की उत्पति एवं ततसंबंधी विविध वाद–दैवी उत्पत्ति सिद्धांत, धातु सिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत, श्रमपरिहार सिद्धांत, मनोभावाभिव्यंजक सिद्धांत, समन्वित सिद्धांत ।

इकाई 2– भाषा परिवर्तनशीलता के कारण ।

भाषा के विविध रूप– बोली और परिनिष्ठित भाषा ।

बोलियों के बनने के कारण, बोली और भाषा में अंतर ।

इकाई 3– हिंदी भाषा का उद्भव और विकास ।

हिंदी का शब्दसमूह, हिंदी भाषा के विविध रूप–राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा ।

इकाई 4 – हिंदी की विविध बोलियाँ–अवधी, ब्रज, खडीबोली, भोजपुरी।

लिपि विकास का सामान्य परिचय, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन		**अंक** 40
प्रश्न 1	पुरे पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न।	10
प्रश्न 2	इकाई 3पर लघुत्तरीय प्रशन (3 में से 2)।	10
प्रश्न 3	इकाई 4 पर टिप्पणियाँ (3 मे 2) ।	10
प्रश्न 4	इकाई 1 और 2 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)।	10

सत्र – VI प्रश्नपत्र –XVI

भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

DSE-E135

अध्ययनार्थ विषय –

इकाई 1–भाषाविज्ञान की परिभाषाएँ, भाषाविज्ञान के अध्ययन का महत्त्व, भाषाविज्ञान की वैज्ञानिकता ।

इकाई 2 –भाषाविज्ञान के प्रधान अंगो का परिचय**–**

ध्वनिविज्ञान, पदविज्ञान, शब्दविज्ञान, वाक्यविज्ञान, अर्थविज्ञान ।

इकाई 3 –भाषाविज्ञान का अन्य ज्ञान विज्ञानों से संबंध ।

1. भाषा विज्ञान और साहित्य 2. भाषाविज्ञान और व्याकरण ।

3. भाषाविज्ञान और समाजविज्ञान 4. भाषाविज्ञान और मनोविज्ञान ।

5. भाषाविज्ञान और इतिहास 6. भाषाविज्ञान और भूगोल ।

इकाई 4–कारकों के अर्थ और प्रयोग,पदक्रम, विरामचिह्न (केवल अल्पविराम, निर्देशक चिन्ह(डैश) और अवतरणचिह्न) मानक वर्तनी के नियम ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन		**अंक** 40
प्रश्न 1	पुरे पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न।	10
प्रश्न 2	इकाई 4 पर लघुत्तरीय प्रशन (3 में से 2)।	10
प्रश्न 3	इकाई 2 पर टिप्पणियाँ (3 मे 2) ।	10
प्रश्न 4	इकाई 1 और 3 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)।	10

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. भाषाविज्ञान – डॉ.भोलानाथ तिवारी ।
2. भाषाविज्ञान की भूमिका– डॉ.देवेंदनाथ शर्मा ।
3. भाषाविज्ञान के तत्व– डॉ राजनारायण मौर्य ।
4. भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा – डॉ. सुधीर कलावडे ।
5. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा – डॉ. द्वारकाप्रसाद सक्सेना ।
6. संक्षिप्त भाषाविज्ञान– डॉ.सुरेशचंद्र त्रिवेदी ।
7. हिंदी– उद्भव विकास और रूप – डॉ.हरदेव बिहारी ।

8. हिंदी भाषा – डॉ.धीरेंद्र वर्मा ।

9. हिंदी भाषा की विकास यात्रा – डॉ.रामप्रकाश ।

10. हिंदी भाषा, व्याकरण लिपि विज्ञान – डॉ.हरदान हर्ष ।

11. हिंदी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरू ।

12. नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ – डॉ.नरेंद मिश्र ।

13. हिंदी की वर्तनी– कैलासचंद्र भाटिया, रचना भाटिया ।

14. मानक हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण – डॉ.रमेशचंद्र मेहरोत्रा ।

15. भाषाविज्ञान के सिद्धांत – डॉ.ओमप्रकाश शर्मा निराली, प्रकाशन, पुणे– 05।

16.भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा–डॉ.गंगासहाय प्रेमी,डॉ.त्रिलोकनाथ श्रीवास्तव ,साहित्य सरोवर प्रकाशन, प्रभु नगर, आगरा–01 ।

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल

जून 2020 से लागू

हिंदी स्पेशल बी.ए.–3 (कला)

सत्र–V ,VI

Discipline Specific Elective

(शैक्षिक वर्ष –2020–21, 2021–22, 2022–23)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।

समकक्षता

अ.क्र	पुराना प्रश्नपत्र	अ.क्र	नया प्रश्नपत्र
1	प्रश्नपत्र क्रमांक : 7	1	प्रश्नपत्र क्रमांक : 7
	प्रश्नपत्र क्रमांक : 12		प्रश्नपत्र क्रमांक : 12
2	प्रश्नपत्र क्रमांक : 8	2	प्रश्नपत्र क्रमांक : 8
	प्रश्नपत्र क्रमांक : 13		प्रश्नपत्र क्रमांक : 13
3	प्रश्नपत्र क्रमांक : 9	3	प्रश्नपत्र क्रमांक : 9
	प्रश्नपत्र क्रमांक : 14		प्रश्नपत्र क्रमांक : 14
4	प्रश्नपत्र क्रमांक : 10	4	प्रश्नपत्र क्रमांक : 10
	प्रश्नपत्र क्रमांक : 15		प्रश्नपत्र क्रमांक : 15
5	प्रश्नपत्र क्रमांक : 11	5	प्रश्नपत्र क्रमांक : 11
	प्रश्नपत्र क्रमांक : 16		प्रश्नपत्र क्रमांक : 16